











मी-वैम्बाभाव नभ

मीभर्ग-ग्रम्-मद्भर-रुगवस्य-परभ्रागउ-भृलाभुग्य-भत्रः-पी०भा म्-िक मु-िक भके ए-पी०भा रणम्ब-मी-मद्भग्राट-भ्राभि-मीभ०-भंभूपनभा

क वैरी-पृष्ट ॥मजुप्रानभी॥

भरुषु ए भक्ष रुप मत्र मत्र के कथा वनी। गुरुष्णें भया मङ्गे पावनं कुरु भी ममा।।।।।

का वृद्ध नभः - उद्यभग्नुभा उद्यभग्नुभा उद्यभग्नुभा॥

विभूभाचे भणकाचे करेर कुलमभुरो मङ्ग्यलमभुउँ गुङ्गल्यं, वरप्राः॥॥

क वर्षे नभः - अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा॥

कुभुमभुवकुभुद्रा हुं मुह्यभल कपुरस्या। महिर्किन मङ्गाउ गुरुए० मुं मभूर्ग॥॥

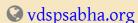
का वृद्धे नभः - उद्यभग्नुभा उद्यभग्नुभा उद्यभग्नुभा॥ प्राप्तन

भक्ष्य भन्न क्वीमुक्क मु भरभुडी। मगमुपद्मी कावेरी लेपा भूम् वर प्राथा

वॅ़ म- ए र्-मा भु- परि पाल न- महा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**





कभग्रल्मभृद्यः भवडीग्र्णि द्वारा विर एकिए गम रक्षिम्भीम वाद्मिका॥॥

गरुविगदलेम् री गरुग ननक नृकः। भवा रीम्प्रादी ए नाभा धेरमकं भूउभा। एिक्य भपर्दे प्रस्वेम् किभावरः॥॥

॥५्णन-५्रष्ट॥

(म्ग्रभ्) [विष्मुमगप्रं नुङ्गा]

मुक्राभ्रा-एरं विभूमिम-वरं गरुरुएभा। प्भन्न-वर्म पृष्ये मत्र-विभूपमान्ये॥ प्"न्यभा भभेपा ३ + का वैरी-हिवी-प्भाह्न-भिष्नुतं का वैरी-प्रष्टं किरिष्टा

> मम्भुमुम्बलभम् कुलवभनं भम्भभनामा पृप्तिनीं गक्न केए प्राभा। फ्पृनुभुवग रुवा <u>स</u>कलमां रुभुम् भूषणगत्रभालु रुगिगं गारुप्भवानेनं म्-िगङ्गिमभभुडी र निलयं पृचि भ का विविका भाषा कार्वेगी-मेरीं प्रायाभि॥

> > म्बिक्ष विच्च म्वाम दि रानि लिङ्गिनि यम् एमि ल क केंद्रः। एल प्राफिप म केरिकेष्टः कवैर एया झिवभुर्यभू ॥

> > पयं भि उी ग्रुनि मिला सु दिवडा मिवें कमें वाल् कउं प्पन्नः। नमी मकृगिनिप्मुउ मिरिक्नुभाष्टाभन्दिनहुः ॥ कार्वेरी-मेरीभा गुवा ज्या भि॥

वैर-एर्-माभु-परिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

मुरावारि विणयुभानमभुडा प्रमाद्ववगद्गर हुवः तुभुरुवम् उम् म्यिङ उभू न्मीरूपिली। म्रिङ्गडल कुभूभेवल भन्न युरभप्र क्न-मुरायएभाषभ्लेष भिज्य भट्टा मिस म्मुरा कार्वेगी-मेर्वे नभः, गुभनं भभगु याभि॥

भग्नुण भलामिती भलाचा भनेका। भवारी सूप्र लेकभाउः पारं, एराभि उ॥

भन्द्वि भार्यालय्वाक कवरकर् नभरं मर्हिश भा नुँ एग सु एउ भए हा व का विति का विति भभ प्भी ए॥ कार्वेरी-मेर्हे नभः, पार्म्न मभग्नवाभि॥

> मरुपारेमुव हिव मीर में दुमिना क वेरीन भविष्ट उ एक ल्युं ने भे भुउ॥

भ्गीनका क्वीरिउ-पृष्टकीर कल्गाल रहे भिउमान पृद्ध। कुभैम्बप्रिउगुभिउर काविर काविर भभ प्मीमा क वरी- में है नभः, मं मुं मभर या भि॥

> मीभक्टमैल उनचे भवाभक्ट निवारि पिर प्मारं कुरु में दिवि प्मनुष्ठव भवदा॥

मंभार विम्मिनि मंभू उपनं भवाभभंजािकाः भववन्। मभभुले कैकमर एभुर कार्वेरि कार्वेरि भभ पुमीम्॥ कार्वेरी-मेर्दे नभः, मुराभनीयं मभर् याभि॥

उलाभाम उकावरी भवडी ग्राम्डा नमी। प्रमु-पाउक-मंक्यी वास्पिगढलप्**रा**॥

वैम्-णग्न-माभु-परिपालन-मरा

रुर रुर मर्द्वर रुज़ न्क म् भूनि रु गृल कि निर्दे एगन् मल मानमील। निराक्कन हिल्लहमगङ्गा कार्वेरि कार्वेरि भभ पुमीर कावरी-महिं नभः, पक्काभ्उभानं मभर् याभि॥ कार्वेगी डीग ए मुनः भूग पिक् भर्जी हरा। उम्नारिमीउवाउँम भूम भूकि प्यानि वै॥ भेकमिवेपाभिउ-पाम्पम् निर्डे जरीमम् जिल्मुर्पे। मम्मिर ण उत्रथ्भ मा कार्वेरि कार्वेरि भभ पुभीम कार्वेरी-मेर्द्रे नभः, मुद्रेम्कभानं मभर् याभि॥ भानानग्राभा ग्रामनीयं मभर् याभि॥ कवॅरक ने का वेरि निभ्गाना घना विके। वभुष्ण वमहुवमु इिज्ञभ्किप्राधिन॥ म्बिस्पुष्ट् विभले नमीम परास्त्र काविउनि ३५ त्रि। मभम्ले केंड्रभडी रूभाउः॥ कार्वेरि कार्वेरि भभ पुभीम कार्वेगी-महिं नभः, वमं मभग्यामा भवयह्रम्यउए भवयह्रभकायिति। यहरूमभूव हिव भवयहदलप्है॥ कलि प्रुउ गिपल मै धन म विस्मृतिह्ननस्लप्वारु। करभुकल्द्राकरभुपुरू॥ वैम्-एम्-माभ्-परिपालन-मरा © 9884655618 **1** © 8072613857 **1** wdspsabha@gmail.com **2** vdspsabha.org

कार्वेरि कार्वेरि भभ पुभीम कार्वे नी-में हैं नभः, यक्षेपवीउं मभर् या भि॥

एवरिव एगमुउद्गेपभुर पुराउने। एवर्ष्य रवेम् विभन्न भन्न भन्न प्रा

प्मीम का रुए-गुल्रेडिंग मे प्मीम कलुएउरप्राप्ता

प्मीम का भामिकर पविरा कार्वेरि कार्वेरि भभ पुमीर क वरी- হী বৃষ্ণ, भङ्गल হ্ बुं मभर् या भि। ত্রি হ্- কু হু भं मभर् या भि।

> यन् न गरुकभुरीष्ठिभवः लुकके भ**र्**गः। ग द्वैभु द्ववैद्कं ग त्रं भी कु मरुस्॥

मुद्गे भरे गिन् वपुष्टभारे प्रातिभपे एक वेर र गृ। मननुभाणायण वैरुवार् क वैरि क वैरि भभ प्भी ए॥ कार्वेरी-महिं नभः, गहाना एप या भि॥

यमृं भक्त्युनभाराच्चीऽवयुद्धलं लच्छा। नबर्भालुवसूर्भबर्गे चयाभूरुभा ॥ कार्ती-महें नभः, मक्याना मभर्याभा

किरीएकारकेवरमुग्रलामुम्करूलैंः। रंभकैर्रापल हैस रुभयेंद्रं भग्रमण भा॥ कार्वेरी-मेर्वे नभः, गुरुरण्येन मभर्यया भि॥

उए दें कर भुद्रं य भिन् गं क स्लाधिक भी। भेभक्षत्र्प्र दिव गुज्जागमुबल्ल है॥ कार्वेरी-महिं नभः, उए द्वीमका ना मभर् या भि॥

वॅम्-णर्-माभु-परिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

उलभीविव्यभन्भ गुम गुम उपर्केः उन्तिवर्गः केकनहै ग्रुल्लकैः कभलै रिपा कार्वेरी-में रूपि, प्रभानां मभर्यामा

कल्प्रचैः पुरारीकैम पुष्के भेगित्रिकारिः। एउप्रिम्ब भूता गभिल्ला का के उका सिकिः ॥

म्रिटिस्लिंगभुरी गहुरा एक म्रुकैं। प्रैं म्रम्ड भाउविष्टल द्वारं कुन्न

उकर्न् नुरुनेकवामनावामिराञ्चिः मिक्नः मुभवरैः पृष्टु पृष्टचे पृष्टि पिष्टि उतिः॥ कार्वेरी-महिं नभः, पृष्कः मभुष्याभि।

म्म मङ्ग-प्रहा

पारी प्रायाभि भग्नुणच नभः गुल्ट्रे प्रस्याभि भ्रजाल के नभः मरुकनृकच नभः ए इ । प्राया भि भरभुट्टैएन्नी नभः **प्रस्या** भि मगमूपङ्ग नभः भग्रभा प्रस्याभि कावंद्व नभः न िभा प्रस्याभि लेपाभुम् च नभः रूप्यभा प्रस्याभि वरप्राचै नभः भुने पुरुषा भि कभएलमभुरु उच्चै नभः ग्रज प्रस्याभि भवडी रू णि में वडा वै न भ क्रभा प्रस्याभि विरए व नभः न भिकाभी प्रस्याभि म्बिल्लगङ्गच नभः मैं इ प्रस्याभि र्क्वविभूमिवाञ्चिकाचै नभः नेर्प्रेणयाभि **ग्रुति एद्रले सूर्डे** नभः वकुभा प्रस्याभि ग्रुरानन कनुकाचै नभः मिरः पुरुषा भि

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

त्रा त्रा मर्द्रा

भवारी भूपरा हुँ नभः भवार भागि प्रस्वाभि

कार्वेट भेरूरमउनाभावितः

मननु-गुल्ल-गभीराचै नभः म्रुप्कर-मिविउचि नभः मभ्उभु म्-मिलल वै नभ मगभूभृति-ना विका वै नभः मुमा नु-की नि-दिल का चै न भ ग्रमुगागभ-विच्चित्र ^७डिज्म-पुरालेकु वै नभ गंडिग ण-निवारिष्टे नभ उन्। इस्पन-म्राभ्राचै नभः उक्तियानन्-माविन् नभ ८०५३व-विभेग्ननच नभ ल् ५- ए मू- ए ने मू ग व न भ लुनराव-विवक्तियाचै नभः एणि उपीपल-लेक मिचै नभः **एिकाभृभिक्प्रा**चै नभ छद्भर न म्य-निनम्पचै नभः छभणीत्रुउ-प्रीवनाचै नभः ष्ट्रमार गुल्ल-निन्धिम् चै नभः ष्ट्रमानु-निकारिष्टे नभः मप्र-भृग्न-एलाम्याचै नभः किपलापृ-नमी-भिग्गचै नभः करु०-पुक्र-भानभाष्ट्र नभः क वैरी- न भ- विष्टा उ चै न भ काभिउ रू- प्रताय नभ कुभुभेल-बुर्-नामायै नभः कें उकप्षभ-प्रच नभः पिगर ए-र वे क्स ठ-र क्स मूल-भूमे ि उर वे न भ

👀 एपिमय्य-मुमंबीउपचै नभः

७•। मनुःकर™-भंमेतृ च नभः

वैर्य-एग्न-माभु-पिरिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**



व्य व्य मक्ष्र 8 ापगावली-भभाक्त वुकल्लेलावलि भित्र उच्चे गए र १५ - भविभी रू- ५वा छ-नभः 301 **ए**नभेठिने नभ गायरुष्टि-मिला-भप्टाचै नभः गरुराभन-रिक्रमाचै नभः भन-गभीर-निनाम-निक्तरप्रि-निक्तरवै नभः ग्रन्,पुभ्रा-भप्टमुखँ नभः ग्रउगानन-पृद्धिकाचै नभः ग्रेल हम-एने सूर-ग्रिभ्कल-प्वारिन् नभ ग्रमुब्द-मभानीउचे नभः **ळम्**ग्रेप-निवारिष्ट नभः स्भृद्वीप-मिरम्ब्रुक्ष-नमी-नम-गरीयम् नभः ग्रद्धानाम्-भंभृष्ट्यमाल-भभाकुलाचै नभः ह्रचैक-भागन-प्राचै नभः **ऋधिभाउँ ग्रि-कारिष्टै न**भः ए हिरुपावम-बृष्ट-मिविष्ट-भुदि-पादिष्टै नभ ०६्रानाम-भभूम-एचगीत्रु-पत्रुयाँ नभ फ किनी-म किनी-भ रानिकार ल - भ रिष्ठ ए वै न भ म्क्य-निराम्पारी - पात्र उीम-मभामि उच्चे नभ "° नुवा ग्रु-िम्द्रभाम-वेगमा पन-उद्याची नभ उरम्वल-भंविम्-भ्र-वाल्क-मेरिउ चै नभ उपिमु एन-भक्का र-निविमिउ-मिला भना चै नभ उपर्य-उरुन्,ल-गङ्गम्किरिक्षुउचै नभः षा नु-प्भष-भंमे बू-भाभु-भानि पृ-का विष्टै नभ म्या-माबिए-मङ्कामील-लेक-मुरावि उच्च नभ ए बिए० हु-एने सूरा-निविधारा-एया विश्व ने भ एन-भान-भमाद्वामि-भर्ग-निवर्गन-पि्याचै नभः नभस्भेमूर-मीलाचै नभः निभद्गम्पन-पावनाचै नभः न गारिकें उ-निलया वैनभः नाना-डीग्रुणि-म्बराचे नभः वॅ़⊏-णग्न-मप्-पिर्यालन-मरु vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org © 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

रुर रुर मद्वर एय एय मर्द्भग नारी एन-भनेल्लाभाष्ट्री नभः ७। नानागुप-प्रल-प्राच नभः नगरय - मुपा- मुपा व नभ न म्ह क्र-भुरु पिष्ट नभ पराहुउ-मभमुष्पाचै नभः पम्-पक्नाम्-सीवनाचै नभः पापरुलायि-मम्माय नभः पापिश्रस्त-पावनाचै नभ द्रिंगीन्-कीग्रिउ-कलाचै नभः दलम्पन-धरायल्ण्य नभः उकर्न्,उपे-वेग-द्रलभभ्यु-द्रमनाचै नभः ७। अक्तुप-िम्नपामुभ्-भ्रभादुक-रूला द्विनां-(कभल)(क्रेभ) ब इ-मालू च-मान-निक्ति उ-विद्रथा चै नभः रुगवङ्ग उ-भन्ने धार्म नभः रुभुर बुर-गाभि ने नभ रुगीर षी-भभाक्तु-उलाभाभ-स्लाम्याचै नभः भस्मम् चन-प्राम्मम् म् चं कः प्भा च नृ नभः भाभ-वैमापारि-भाभ-भान-भूगण-भीपृद्याचै नभ यक्ष-मान-उपः-क्रम् केएि-पृष्ट-म्ल-प्मार्चे नभः यब-गन्नत-भिम्नि है। ि सुउ-परम्वय वै नभः रभुना म- पर्म्यनु विरास्टि उ-मिला उला चै न भः गभनाषप्रबु-काभण्त-मभाम् उचै नभः लवेरक-म्मभार्-निवाण-पर-राधिन नभ लक्ती-निवाम-मह्ताचै नभः ललना-गञ्ज-ग्रुपिष्ट नभः लभुत्तुउ-भूज-रेगाच नभः लावए-गुल-मागगर्ये नभः विक्पिश्चर-भाविम्हण्य नभ वित्रापिल-लेकपाचै नभः वृष्पार-बैर-पराचै नभः वैभयान-मभाव उपयै नभः भक्रल-वन्-ग्र**ग**ण्ये नभः ७•। ४६_{मि}नि १३- प्याचे नभः वॅर्र-एर्-मप्-परिपालन-मरा © 9884655618 **4** © 8072613857 **4** vdspsabha@gmail.com 😯 vdspsabha.org

रुर रुर मर्द्धर

10

५ रामु-भारु-मंमेबाचै नभः <u> परुन्नि-स्टिउ-मेन्निक चै</u>नभ मत्रुप्तर्य-मंमुद्ग-उपयुच-एनाम् उचि नभः भक्क्ष्मेसूर-भन्नानमभर्-भूप्राकि है नभ भरभुटा मि-मिवी हिर हिव नि.उ-नि चरा चै नभ म्हमैल-मभ्मु उचै नभः मङ्गमङ-एत-पियाचै नभः **भ**ङ्गभहरू-माभीप्राचे नभः भुवमा रू-ग्राउध्याचै नभः भेषाम्-दल-माविम् नभ मंमयाविध-८, रभुष्य नभः भार्भेपाप्त-द्रलेम्याचै नभः ठिरा-बृद्धम-लेकम-भिम्नव गुरा-विनु उच्चे नभः ब्रु-डीरु म्-िमीभा गुर्वे नभ ब्याना घ-मुमीउला चै न भ

बभाउलापिलानन्-बिभ-मी-विरायावकाचै नभः

० भे रिविष्ठ ३- निलया च नभ

कार्वेरी-मेर्हे नभः, नाना-विण-पिरिभल-पर्-पुपालि मभर्ययाभि॥

॥ ७ डि म् कि वेट हे हुर मडना भावितः मभुत्रः॥

उङ्गरम्पर

र्क्नम्रिएम्उडीर्गर् । मभमुमिम्सम्भरभूडी रू क वैरि क वैरि भभ पुभी ए॥

ममङ्गेगुम्ले पडम्मग्रेभ्गाउम् गाउम् । भन्द्वि भूक विर प्रिवर मभिद्यः॥ कार्वेरी-महें नभः, प्रथमा मुण्ययानि॥

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

उलागउँ उटिनि वरा छिरा-गङ्गामिकः मिविउपाम्पम् दिके ए डी ग्रुम् भ- पृक्षरा क क विशि क विशि भभ प्भी मा।

मुपै प्टेंडिमुभमृभु तुभमभुवउँएमा। उँ एः प्रा दि के विकि मी पें प्रि गृहरा भी॥ क वरी-में ने नभः, मीं पमया नि॥

> ममाभ उलाहिर नद्भण मा-नुमिध्योलीय एन म् दिवा इक्प्रिम भुक्तिवणनम्ब क वैरि क वैरि भभ पुभी ए॥

मनं एउविणं गणं माकवृक्तन मंयुउभा। मद्रलं मभ् उं इड्के का विरे उए उं वरे॥

कार्वेरी-मेर्हे नभः, नैर्वेम् भभर् याभि॥ पानीयं भभर् याभि॥ उङ्गापेमनं भभर् याभि॥ निवस्त रूप म्याभनीयं मभर्यामा

> निष्किण नम्बल्यस्य नं निम्निषपापबयकारिली द्वभी। निम्पर्भूमि निगमम्बा

े कार्वेरि कार्वेरि भभ पुभी म कार्वेरी-मेर्हे नभः, फलं कर् ग-उन्नुलं ए मभर् याभि॥

> परामरागमुविभिष्ठभृष्ट्रिता-भक्ति कि ग्रु नुउपे कि ग्रु **३भामिउक्मि०मिम्निक्**यः कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा

भवउर्रिभुलाभाम द्वारास्यपम्का नीरा एया भि रुक्ता द्वां का वेट भूभरम्ण। कावरी-में ने नभः, नीराएनं मभर् याभि॥

© 9884655618 💋 🕲 8072613857 💋 🔛 vdspsabha@gmail.com 🔞 vdspsabha.org

भाष्ट्राभण्यः नतुभूभेणमा -रीरक्ष्म सुमुल भह्गा द्वभी। मभेम् व मित्र्युउ भुउनु क विविक्त के विविक्त में भूभी मा।

प्रकिलं करें भि द्वां प्रधार प्राविति। मिक्यवगुकमीनिवामपीउँ भग्नुण॥ कार्वेरी-में ने ने भ, प्रकिल्ला मभर् या नि

वृद्धा मि छित्त ववर्ते सिमन् विभिष्ठ पृत्ते मुनि रित्र रिष्ठ निटं गएर एग उँ विषेत्र क वैरि क वैरि भभ पुभी माणा

नभमु उष्टिउं भृष्टि निगभागभ मंभुउ। पारि पारुभु का वैवि प्पन्नं भंग तुपार्स्मा॥ कार्वेरी-में ने नेभः, नभक्षाराना मभर्यामा भ्वाभिनीकुः वायनमानानि

> भ्वाभिनीनं य निस्म्रानं पिउपियहं स मुङा मिव नभी। स्म्भूस्यं वक्रेंगरुग् कं विशि का विशि भभ पृभी मा।

निस्प्वाकाप्वलब्धपुष्ट-प्मिम्भद्वगुद्धले म् चेन न् भरी सुर्विण विनी द्वे क वैरि क वैरि भभ पुंभी ए॥

पापक्षं पारिमुप्रभाष्यारेगृभव प्रा भे रागुभिप भग्नानं हानं मिक भग्नुण॥ उउ मभुरू॥

वैम्-णग्न-माभु-परिपालन-मरा

रुर रुर मद्भर

13

एय एय महुर

॥६८ व्उग्रज्ञभाष्ट्रे का वैगी-प्रहाविषिः॥ छै उड़ा मम् रङ्गर्णभणु।



वें म- एम्-माभु-परिपालन-मरा

© 9884655618 **②** 8072613857 **②** vdspsabha@gmail.com **③** vdspsabha.org